

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

Term-End Examination

June, 2017

**MMDE-030 : METHODOLOGY OF TEACHING
LANGUAGE AND OTHER SUBJECTS TO THE
HEARING IMPAIRED**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : All sections are compulsory. Marks are allotted against each section.

SECTION - I

Answer all of the following questions :

1. What is the importance of early intervention ? 2
2. State two aspects of MRM (Maternal Reflective Method). 2
3. State true or false : 6
 - (a) Development of listening skill is one of the prerequisite for preschool entry.
 - (b) Morphology, Syntax are aspects of speech
 - (c) Test of syntactic Abilities/Syntax program is a structural approach.
 - (d) Detection and discrimination of sounds is important aspect in spoken language development
 - (e) Role of a principal is only to teach and impart knowledge to students.
 - (f) Fine motor skill is one of the important aspect in developing writing ability.

SECTION - II

Answer **any four** of the following questions : 5x4=20

4. What is auditory training ? Explain developing sound awareness.
5. Explain the term 'deposits' with example.
6. Describe 'Linguistic Profile Test.'
7. What do you understand by adaptation of text books ?
8. Explain the role of field trips in building functional reading at pre primary level.
9. What precaution should be taken while preparing time table for the primary level ?

SECTION - III

Answer the following questions : 10x2=20

10. Explain various activities to develop reading readiness at pre-school level.

OR

Discuss language goals with example to be achieved by a child in pre-primary programme.

11. Prepare and explain a time table for the 2nd standard students with hearing impairment.

OR

Explain the requirement of visualised conversation with example.

बी.एड. विशेष शिक्षा (बी.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.एम.डी.ई.-030 : श्रवण बाधितों हेतु भाषा एवं अन्य विषयों
की शिक्षण पद्धति

समय : 2 घंटे

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी भाग अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग के सामने अंक दर्शाये गए हैं।

भाग - I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शीघ्र हस्तक्षेप का क्या महत्त्व है? 2
2. एम.आर.एम. (मातृत्व विचारशील विधि) के दो आयाम बताएँ। 2
3. सत्य अथवा असत्य कथन :
 - (a) पूर्व-विद्यालय प्रवेश हेतु श्रवण-कौशल का विकास एक आवश्यकता है। 6
 - (b) संरचना, वाक्य व्यवस्था वाणी के आयाम हैं।
 - (c) वाक्य संरचना योग्यता का परीक्षण/वाक्य व्यवस्था कार्यक्रम संरचनात्मक उपागम है।
 - (d) ध्वनि की पहचान एवं भेद बोलने वाली भाषा का महत्त्वपूर्ण आयाम है।
 - (e) प्रधानाचार्य की भूमिका केवल विद्यार्थियों को शिक्षित करना एवं ज्ञान प्रदान करना है।
 - (f) लेखन विकास के लिए, सूक्ष्म गामक कौशल महत्त्वपूर्ण आयामों में से एक है।

भाग - II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर दें। 5x4=20

4. श्रवण प्रशिक्षण क्या होता है? वाणी सतर्कता के विकास की व्याख्या करें।
5. "डिपॉजिट्स" शब्द की उदाहरण सहित व्याख्या करें।
6. "लिंगुइस्टिक प्रोफायल टैस्ट" का वर्णन करें।
7. पाठ्यपुस्तकों के अनुकूलन से आप क्या समझते हैं?
8. पूर्व-प्राथमिक स्तर पर क्रियात्मक पठन में क्षेत्र-भ्रमण की भूमिका की व्याख्या करें।
9. प्राथमिक स्तर की पाठ्यचर्या बनाते हुए क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

भाग - III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें। 10x2=20

10. पूर्व प्राथमिक विद्यालय स्तर पर पठन की तैयारी के विकास हेतु विभिन्न क्रियाओं की व्याख्या करें।

अथवा

पूर्व प्राथमिक कार्यक्रम में बच्चे द्वारा प्राप्त किए जाने वाले भाषा उद्देश्यों की चर्चा उदाहरण सहित लिखें।

11. दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले श्रवण-बाधित बच्चों के लिए एक पाठ्यचर्या तैयार करके उसकी व्याख्या करें।

अथवा

काल्पनिक वार्तालाप की आवश्यकता पर उदाहरण सहित व्याख्या करें।